मुजको सुख इस जहांमें

राग: आसरा इस जहां का मिले ना मिले

मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले (२)
तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये (२)
मुजको मुक्तिमें डेरा मिले ना मिले (२)
तेरे दिलमें बसेरा मुजे चाहिये (२)
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले
तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये

पाया पुण्योदये मैंने मानव जनम,
फिर भी तुजको बनाया न मेरा सनम
पाया पुण्योदये मैंने मानव जनम,
फिर भी तुजको बनाया न मेरा सनम
मेरी पुण्यकी राशी बढे ना बढे (२), हाँ बढे ना बढे, हो बढे ना बढे
तुजसे प्रिती (२) बढे ये मुजे चाहिये
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले, तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये
मुजको मुक्तिमें डेरा मिले ना मिले, तेरे दिलमें बसेरा मुजे चाहिये

मिला सुख जो जीवनमें, तो लीन बना
और दु:खमें अतिशय दीन बना
मिला सुख जो जीवनमें, तो लीन बना
और दु:खमें अतिशय दीन बना
मेरे दु:खके ये पर्वत घटे ना घटे (२), हाँ घटे ना घटे, हो घटे ना घटे
मेरे दोष (२) घटे, ये मुजे चाहिये
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले, तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये
मुजको मुक्तिमें डेरा मिले ना मिले, तेरे दिलमें बसेरा मुजे चाहिये

पापमें रस धरुं, तुजपे शंका करुं
तेरी आज्ञाका मनसे न पालन करुं
पापमें रस धरुं, तुजपे शंका करुं
तेरी आज्ञाका मनसे न पालन करुं
मेरा सदभाग्य भी जो बढे ना बढे (२), हाँ बढे ना बढे, हो बढे ना बढे
तुजपे श्रध्धा (२) बढे ये मुजे चाहिये
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले, तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये
मुजको मुक्तिमें डेरा मिले ना मिले, तेरे दिलमें बसेरा मुजे चाहिये

अेक विनति करुं, तुजसे हर बार मैं
मेरे परमेश्वर आ तेरे दरबारमें
अेक विनति करुं, तुजसे हर बार मैं
मेरे परमेश्वर आ तेरे दरबारमें
मेरी सत्ता जगतमें बढे ना बढे (२), हाँ बढे ना बढे, हो बढे ना बढे
मेरा "हीर" (२) बढे ये मुजे चाहिये
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले, तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये
मुजको मुक्तिमें डेरा मिले ना मिले, तेरे दिलमें बसेरा मुजे चाहिये
तुजसे प्रिती बढे ये मुजे चाहिये
मेरे दोष घटे, ये मुजे चाहिये
तुजपे श्रध्धा बढे ये मुजे चाहिये
मेरा "हीर" बढे ये मुजे चाहिये
मुजको सुख इस जहाँमें मिले ना मिले, तेरे चरणोंकी सेवा मुजे चाहिये

http://bhagwankajawab.com/watchVideo.html?video=3tsdGKGgXI0
2016-08-05